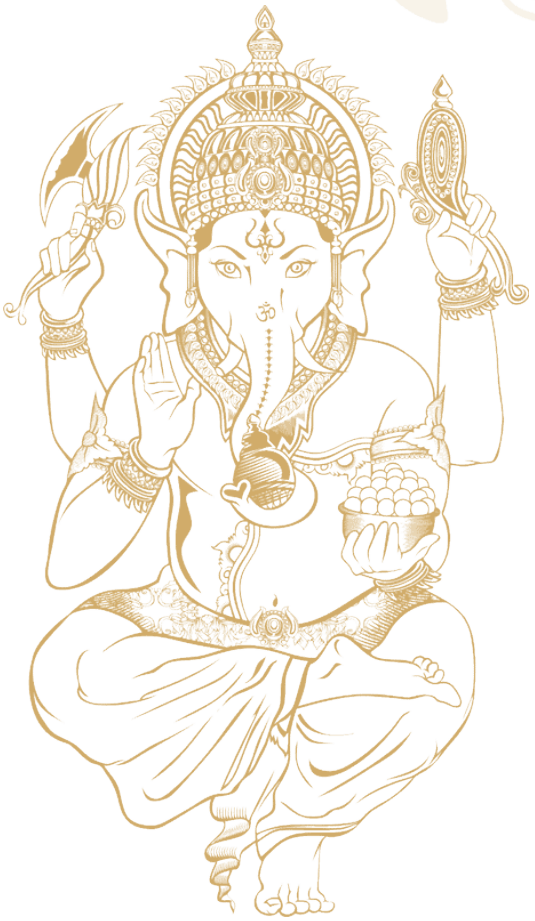

Mr.

22 Aug 2025

08:14 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 119180504

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**22/08/2025**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**08:14:00 घंटे**
इष्ट	05:49:46 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:52:52 घंटे
वेलान्तर	-00:02:54 घंटे
साम्पातिक काल	05:55:32 घंटे
सूर्योदय	05:54:05 घंटे
सूर्यास्त	18:53:18 घंटे
दिनमान	12:59:13 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	05:04:03 सिंह
लग्न के अंश	04:48:05 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**आश्लेषा - 2**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	वरियान
करण	शकुनि
गण	राक्षस
योनि	मार्जार
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डू-डूंगरमल
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	04:48:05	318:05:52	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	---
सूर्य			सिंह	05:04:03	00:57:49	मघा	2	10	सूर्य	केतु	मंगल	मूलत्रिकोण
चंद्र			कर्क	21:09:59	13:18:11	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	स्वराशि
मंगल			कन्या	15:19:45	00:38:20	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
बुध			कर्क	16:51:46	01:14:09	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	शत्रु राशि
गुरु			मिथु	21:48:42	00:11:35	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	01:31:47	01:11:20	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	शत्रु राशि
शनि	व		मीन	06:26:53	00:03:35	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु	व		कुंभ	24:08:16	00:02:07	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	24:08:16	00:02:07	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	07:09:04	00:00:46	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	---
नेप	व		मीन	07:22:47	00:01:20	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो	व		मक	07:44:52	00:01:13	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			मिथु	04:45:39	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:59

लग्न-चलित

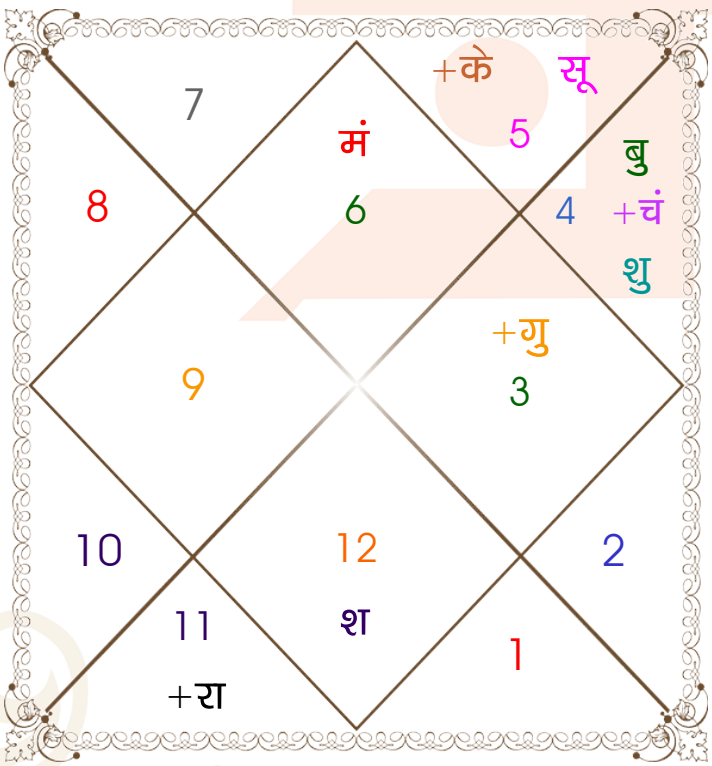

चन्द्र कुंडली

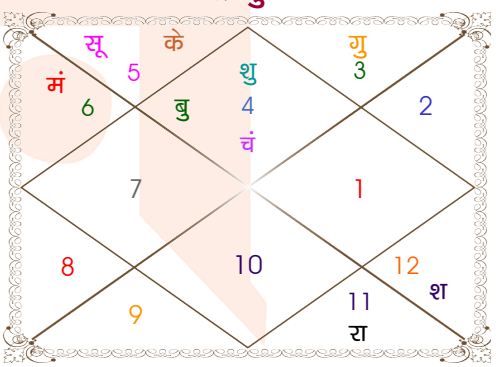

नवमांश कुंडली

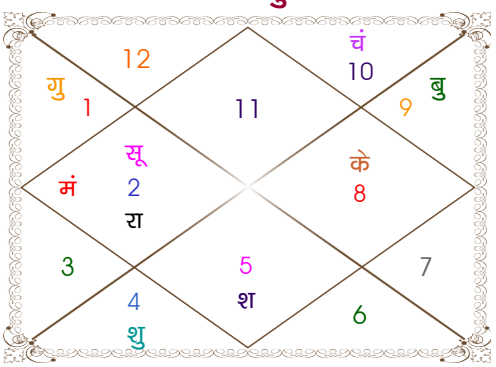

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 11 वर्ष 3 मास 4 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
22/08/2025		26/11/2036		26/11/2043		26/11/2063		26/11/2069	
26/11/2036		26/11/2043		26/11/2063		26/11/2069		26/11/2079	
	00/00/0000	केतु	24/04/2037	शुक्र	28/03/2047	सूर्य	15/03/2064	चंद्र	26/09/2070
	22/08/2025	शुक्र	24/06/2038	सूर्य	27/03/2048	चंद्र	14/09/2064	मंगल	27/04/2071
शुक्र	19/02/2026	सूर्य	30/10/2038	चंद्र	26/11/2049	मंगल	19/01/2065	राहु	26/10/2072
सूर्य	26/12/2026	चंद्र	31/05/2039	मंगल	26/01/2051	राहु	14/12/2065	गुरु	25/02/2074
चंद्र	27/05/2028	मंगल	27/10/2039	राहु	26/01/2054	गुरु	02/10/2066	शनि	26/09/2075
मंगल	24/05/2029	राहु	13/11/2040	गुरु	26/09/2056	शनि	14/09/2067	बुध	25/02/2077
राहु	12/12/2031	गुरु	20/10/2041	शनि	26/11/2059	बुध	21/07/2068	केतु	26/09/2077
गुरु	18/03/2034	शनि	29/11/2042	बुध	26/09/2062	केतु	26/11/2068	शुक्र	28/05/2079
शनि	26/11/2036	बुध	26/11/2043	केतु	26/11/2063	शुक्र	26/11/2069	सूर्य	26/11/2079

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
26/11/2079		26/11/2086		27/11/2104		27/11/2120		27/11/2139	
26/11/2086		27/11/2104		27/11/2120		27/11/2139		00/00/0000	
मंगल	23/04/2080	राहु	08/08/2089	गुरु	15/01/2107	शनि	30/11/2123	बुध	25/04/2142
राहु	12/05/2081	गुरु	02/01/2092	शनि	28/07/2109	बुध	09/08/2126	केतु	22/04/2143
गुरु	18/04/2082	शनि	08/11/2094	बुध	03/11/2111	केतु	18/09/2127	शुक्र	23/08/2145
शनि	28/05/2083	बुध	27/05/2097	केतु	09/10/2112	शुक्र	18/11/2130		00/00/0000
बुध	24/05/2084	केतु	15/06/2098	शुक्र	10/06/2115	सूर्य	31/10/2131		00/00/0000
केतु	20/10/2084	शुक्र	15/06/2101	सूर्य	28/03/2116	चंद्र	31/05/2133		00/00/0000
शुक्र	20/12/2085	सूर्य	10/05/2102	चंद्र	28/07/2117	मंगल	10/07/2134		00/00/0000
सूर्य	27/04/2086	चंद्र	09/11/2103	मंगल	04/07/2118	राहु	16/05/2137		00/00/0000
चंद्र	26/11/2086	मंगल	27/11/2104	राहु	27/11/2120	गुरु	27/11/2139		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 11 वर्ष 3 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृति धन संग्रह किया जाय, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्धों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझते है। वास्तव में वह भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकते हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेगें। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगे। आपकी आँखे आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत यानि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगे। आपको अपनी दुबले पतले शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगा। आपकी आकर्षक आँखे एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत यानि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेगा।

आप वणिक प्रवृति के प्राणी है तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगे। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगे। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किचिंत लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगे। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगे।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि के पुरूष है। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगे। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रयात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगे। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगे संभाल सकेंगे जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरूद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगे कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना, अपनी प्रेमिका के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस

प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त्त पर पत्नी का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपकी एक अच्छी पत्नी एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ्य जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगे। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपने अत्यधिक भोजन करने की प्रवृति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करे। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करे।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग है। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।